8.7.24

Dt.
Pg 1 B+

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- सातवीं सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-3 'कुछ भारतीय त्योहार') भाग-3

(शेष भाग)

पुस्तक- नवतरंग- 7

सुप्रभात् बच्चो,

यह पाठ-3 'कुछ भारतीय त्योहार' कक्षा-सातवीं की पुस्तक- नवतरंग के पृष्ठ-20 पर दिए पाठ का शेष भाग है। पाठ को आगे पढ़ने से पहले पिछले सप्ताह भेजे गए पाठ के अंश को पढ़ेंगे।

पाठ के पिछले भाग में भारतीय त्योहार दीवाली के बारे में पढ़ा था कि यह त्योहार भारत में कैसे मनाया जाता है? दीवाली से पहले कौन- कौन से त्योहार मनाए जाते हैं तथा इस त्योहार पर लोग किस प्रकार की कौन-कौन सी तैयारियाँ करते हैं। आज हम होली के त्योहार के बारे में पढ़ेंगे।

दीवाली के त्योहार के बाद सबसे ज्यादा महत्त्व का त्योहार होली है। होली फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। वसंत का मौसम होता है। इस मौसम में गरम कपड़े कम पहने जाते हैं। गुजरात में अधिक सर्दी नहीं होती है। अतः महीन अर्थात् गर्मियों के कपड़ों का चलन शुरू हो जाता है। इस दिन कहीं आप किसी मित्र के घर चले गए, तो मित्र जैसा होगा, उसके अनुसार आप गंदे या खुशबूदार पानी से ज़रूर ही नहला दिए जाएँगे। इस दिन एक-दूसरे पर कीचड़ आदि भी फेंका जाता है और कहीं आप सफ़ेद कपड़े पहनकर

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

Dt 8.7.24
Pg 2 B+

कक्षा - सातवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ - 3 'कुछ भारतीय त्योहार')

बाहर निकल गए, तो हो सकता है कि आपको कीचड़ से सनकर वापस आना पड़े। होली के दिन यह सब अपनी सीमा पर पहुँच जाता है, परंतु संतोष की बात यह है कि अब शिक्षा की उन्नति के साथ-साथ ये प्रथाएँ धीरे-धीरे किंतु निश्चित रूप से मिट रही हैं। अब जो लोग ज़रा सुसंस्कृत होते हैं, वे लोग इस त्योहार को बहुत सुंदर ढंग से मनाते हैं। वे कीचड़ की जगह रंग के पानी और खुशबूदार जल का उपयोग करते हैं। लोटे भर-भरकर पानी फेंकने के बदले पानी छिड़कना भर काफ़ी होता है। वसंती रंग का इन दिनों में सबसे ज्यादा उपयोग होता है। वह नारंगी रंग के टेसू के फूलों को उबालकर बनाया जाता है। समर्थ लोग गुलाब का जल भी काम में लाते हैं। मित्र और संबंधी एक-दूसरे के गले मिलते हैं, उनको दावत देते हैं। इस प्रकार उल्लास के साथ वसंत का आनंद लेते हैं।

होली के त्योहार से दीवाली के त्योहार में अनेक दृष्टियों से सुंदर अंतर है। दीवाली से जुड़े पर्व वर्षा के बाद ही शुरू हो जाते हैं। वर्षाकाल उपवासों का काल भी होता है, इसलिए दीवाली के दिनों में अच्छे-अच्छे भोजन और दावतें अधिक आनंदकारी बन जाती हैं। इसके विपरीत, होली के त्योहार शीतकाल के बाद आता है। शीतकाल के मौसम में पौष्टिक आहार ग्रहण किए जाते हैं। होली के दिनों गरिष्ठ भोजन कम खाए जाते हैं। दीवाली कार्तिक की अमावस को होती है, अतः उस दिन खूब रोशनी की जाती है; परंतु

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

8.7.24

Pg 3 B+

कक्षा - सातवीं सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-3 'कुछ भारतीय त्योहार')

होली पूर्णिमा को होने के कारण उस दिन रोशनी अशोभन ही होगी।

इस प्रकार बच्चो, त्योहारों का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। ये लोगों के जीवन में बदलाव व खुशहाली लेकर आते हैं। यह मानव जाति के लिए वरदान की तरह हैं। अब मैं आपको कुछ प्रश्नोत्तर लिखकर दे रही हूँ। पाठ तो समाप्त हो गया है।

प्रश्न-1 होली का त्योहार कब मनाया जाता है?
उत्तर- होली का त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।
प्रश्न-2 होली के त्योहार से जुड़ी कौन-कौन सी प्रथाएँ अब दूर हो रही हैं?
उत्तर- पहले लोग एक-दूसरे पर कीचड़ फेंकते थे, परन्तु अब इसकी जगह खुशबूदार जल का प्रयोग किया जाता है।
प्रश्न-3 होली के दिन रात को रंग-बिरंगी रोशनी अशोभन क्यों होती है?
उत्तर- होली पूर्णिमा को होती है। पूर्ण चंद्रमा निकलता है। इसी कारण उस रात रंग-बिरंगी रोशनी अशोभन होती है।

अब मैं आपको गृहकार्य दूँगी।

गृहकार्य:- सब बच्चे शब्दार्थ व प्रश्नोत्तर स्वयं लिखने का प्रयास करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner